SONAM BALA
(DEPT. OF GEOGRAPHY)
A.N.D. COLLEGE, SHAHPUR PATORY, SAMASTIPUR

27th MAY 2020
WEDNESDAY

FOR B.A. - II (Hons)
PAPER-3, GEOGRAPHY OF INDIA & BIHAR

# LECTURE-55

## UNIT-3, IRON & STEEL INDUSTRY IN INDIA — ③

## भारत में लौह-इस्पात उद्योग — ③

**राउरकेला इस्पात संयंत्र** → यह इस्पात संयंत्र जर्मनी के सहयोग से 1959 में ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में स्थापित किया गया। यहाँ भार-ह्रास वाले कच्चे माल का परिवहन मूल्य कम लगता है क्योंकि इसे कच्चे माल की निकटता के आधार पर स्थापित किया गया है। इस संयंत्र को निकटस्थ झरिया (झारखंड) से कोयला और सुंदरगढ़ और केंदुझर से लौह अयस्क प्राप्त हो जाता है। जल कोयल कोइल एवं शंख नदियों से एवं विद्युत नदियों के लिए विद्युत शक्ति हीराकुंड परियोजना से प्राप्त होता है। इस प्रकार इस संयंत्र को अपनी विशेष स्थिति का लाभ प्राप्त होता है।

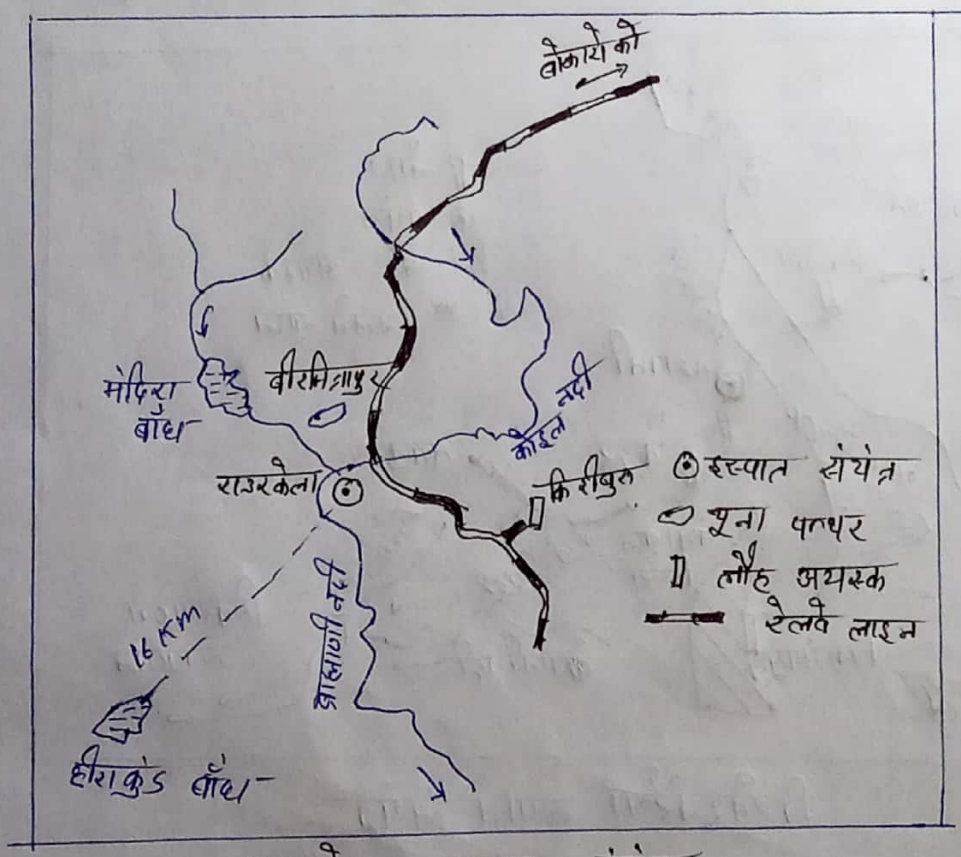




राउरकेला इस्पात संयंत्र

Scanned by CamScanner

भिलाई इस्पात संयंत्र → इस संयंत्र की स्थापना छत्तीसगढ़ मिल के दुर्ग जिले में रूस की सहायता से की गई। 1959 में इसमें उत्पादन प्रारंभ हो गया। यह संयंत्र कोलकाता - मुंबई रेलमार्ग पर स्थित है। यहाँ लौह अयस्क डल्ली राजहरा खानों से, कोयला कोरबा और करगाली कोयला खानों से, जल तंदुला बाँध से और विद्युतशक्ति कोरबा ताप शक्तिगृह से प्राप्त होती है। यहाँ उत्पादित इस्पात का अधिकांश भाग विशाखापट्टनम स्थित हिंदुस्तान शिपयार्ड में चला जाता है।

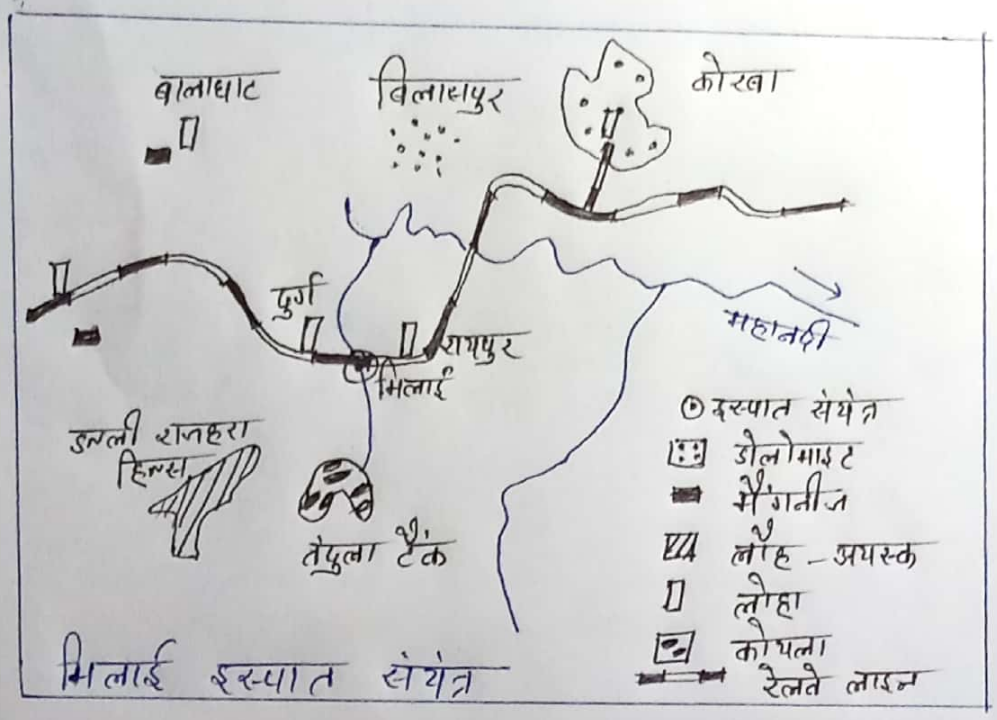


दुर्गापुर इस्पात संयंत्र → यह संयंत्र पश्चिम बंगाल में यूनाइटेड किंगडम की सरकार के सहयोग से स्थापित किया गया था एवं 1962 में इसमें उत्पादन प्रारंभ हो गया था। यह संयंत्र (दुर्गापुर) कोलकाता - दिल्ली रेलवे मार्ग पर स्थित है। यह रानीगंज और झरिया कोयला पेटी में स्थित है और लौह अयस्क नोआमंडी से प्राप्त होता है। जल विद्युत शक्ति एवं जल, दामोदर घाटी कारपोरेशन (डी.वी.सी.) से प्राप्त होते हैं।

Scanned by CamScanner

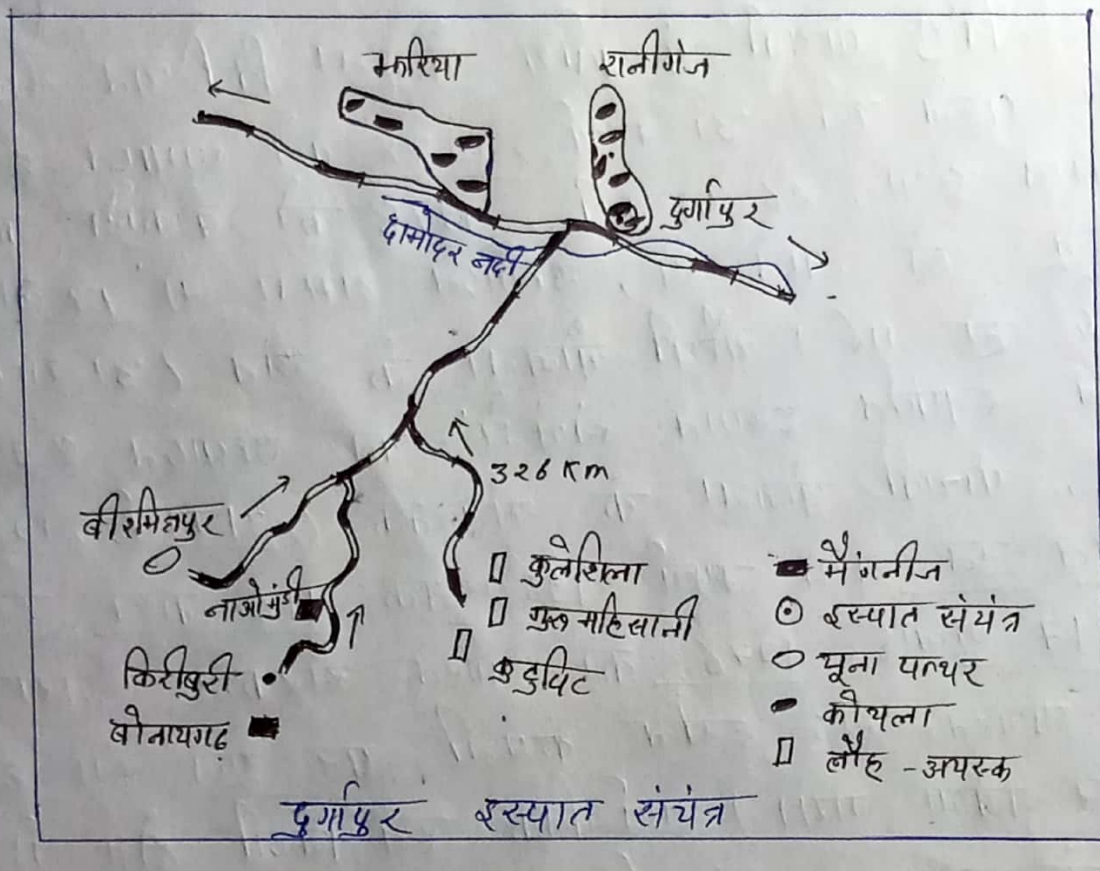


दुर्गापुर इस्पात संयंत्र

Scanned by CamScanner